पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 01.05.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

हरिद्वार-तपोवन देहरादून यात्रा

17 मई से 19 मई 2019 तक

ए.सी बस-700/- व

साधारण -500/-प्रति सीट

सम्पर्कः

9013137070, 9911404423,9958889970

वर्ष-35 अंक-23 वैशाख-2076 दयानन्दाब्द 196 01 मई से 15 मई 2019 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.05.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज, सरिता विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

जनसंख्या नियन्त्रण कानुन लागु करना ही होगा –आर्य नेता अनिल आर्य

वैदिक विद्वान आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय का अभिनन्दन करते माता रविकांता अरोड़ा,अनिल आर्य व प्रवीन आर्या, द्वितीय चित्र–श्रीमती प्रवीन व अनिल आर्य का स्वागत करते समाज के अधिकारीगण।

रविवार, 21 अप्रैल 2019, आर्य समाज,सरिता विहार, नई दिल्ली के वार्षिकोत्सव में बोलते हुए केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जनसख्या नियन्त्रण कानुन हर हालात में भारत सरकार को समय रहते लागु करना ही होगा इसके लागु किये बिना किसी भी समस्या का हल सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या अनुपात के परिवर्तन का संकट आने वाले कल की दिशा व दशा और फिर देश की विचार धारा, संस्कृति सब कुछ ही बदलने के गम्भीर संकेत दे रहे है, नादान लोग वस्तु स्थिति से अन्जान बन रहे हैं जब तक बात उनकी समझ में आयेगी तब तक बात बहुत दूर निकल चुकी होगी। हम दो, हमारे दो व सबके दो का समान सिद्वान्त सब पर लागु करना ही होगा। इस अवसर पर वैदिक विद्वान आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय ने अपने ओजस्वी विचार रखे। प्रधान माता रविकांता अरोड़ा ने कुशल संचालन किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सार्वदेशिक सभा में सम्पन्न

रविवार, 21 अप्रैल 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सक्रिय कार्यकताओं की बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, दयानन्द भवन,नई दिल्ली में परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हुई। बैठक में गत् कार्यक्रमों की समीक्षा, विभिन्न प्रान्तों में लगने वाले ग्रीष्मकालीन शिविरों की तैयारी व युवाओं को आर्य समाज के साथ जोड़ने पर भी विचार हुआ। परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री महेन्द्र भाई ने कुशल संचालन किया। यशोवीर आर्य,धर्मपाल आर्य,रामकृष्ण शास्त्री, अरूण आर्य, सुरेश आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, कमल आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आर्य समाज, सुन्दर विहार, दिल्ली व आर्य समाज,सैक्टर-29,नोएडा का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 21 अप्रैल 2019,आर्य समाज, सुन्दर विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। युवा विदुशी आयुषी राणा के ओजस्वी प्रवचन व पं. दिनेश पथिक के मधुर भजन हुए। चित्र में–समाज के कोषाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह को सम्मानित करते अनिल आर्य,मंत्री अमरनाथ बत्रा, डा.विपिन खेड़ा, प्रवीन आर्या व श्रीमती सुदेश कालरा। द्वितीय चित्र में आर्य समाज, सैक्टर–29, अरूण विहार, नोएडा में सम्बोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य।

महात्मा हंसराज जी का प्रेरणादायक, आदर्श एवं महनीय जीवन

—मनमोहन कुमार आर्य

महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक धर्म वा आर्यसमाज की विचारधारा को आदर्श मानकर जिस व्यक्ति ने अपना जीवन देश व समाज से अज्ञान, अशिक्षा व अविद्या को दूर करने में समर्पित किया उसे हम महात्मा हंसराज जी के नाम से जानते हैं। जो मनुष्य अपने जीवन में धन–सम्पत्ति एवं अपनी सुख–सुविधाओं का त्याग करता हैउसका जीवन कुछ कष्टमय अवश्य होता है। छोटे–छोटे त्याग के कामों का उतना महत्व नहीं होता जितना अपने अधिकांश व प्रायः सभी सुखों के त्याग करने का होता है। इसी कारण देश के लिये बलिदान देने वालों को सर्वत्र नमन करने सहित उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखकर उनसे प्रेरणा ग्रहण की जाती है। ऋषि दयानन्द की 30 अक्तूबर, सन् 1883 में मृत्यु होने पर उनके विचारों के अनुरूप शिक्षा का प्रचार करने के लिए जिस स्कूल व कालेज की स्थापना का प्रस्ताव आर्यसमाज, लाहौर की ओर से किया गया था उसको आगे बढ़ाने और सफल करने के लिये लगभग 22 वर्षीय महात्मा हंसराज जी ने 27 फरवरी, सन् 1886 को अपने जीवन–दान करने की घोषणा की थी। इसका सुखद परिणाम यह हुआ था कि आर्यसमाज लाहौर के द्वारा दयानन्द ऐंग्लो वैदिक स्कूल स्थापित हो सका था जिसने समय के साथ उन्नति करते हुए देश से अविद्या दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महात्मा हंसराज जी नवसृजित स्कूल के प्रिंसिपल बनाये गये थे। महात्मा जी ने डी.ए.वी. स्कूल से आजीवन बिना कोई वेतन लिये तन व मन से स्कूल व कालेज की सेवा का जो महाव्रत लिया था उससे उन्हें, उनके अपने परिवार के सदस्यों सहित उनके अपने भाई व उनके परिवार के सदस्यों को भी कठोर साधना एवं कष्टो का जीवन व्यतीत करना पड़ा। महात्मा जी ने एक गृहस्थी होते हुए अपने इस महाव्रत का पालन करके एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है जिसकी उपमा हमें कहीं दिखाई नहीं देती। एक प्रकार से हम कह सकते हैं कि महात्मा जी ने आर्यसमाज के नौवें नियम का पालन किया जिसमें कहा गया था कि प्रत्येक को अपनी ही उन्नति में सन्तुष्ट नहीं रहना चाहिये अपितु सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिये। महात्मा जी ने अपने त्यागपूर्ण कार्यों से अपनी नैतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति सहित धर्म, विद्या एवं संस्कृति तथा सबकी सामाजिक उन्नति में तत्पर होने का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। महात्मा जी का जन्म दिनांक 19–4–1864 को ग्राम बजवाड़ा जिला होशियारपुर में लाला चुन्नीलाल जी के यहां हुआ था। 15 वर्ष की अवस्था में आर्यसमाज, लाहौर के प्रधान लाला साईंदास जी के सत्संग से उन पर आर्यसमाज का रंग चढ़ा। आपने सन् 1885 में गवर्नमेन्ट कालेज, लाहौर से बी0ए0 पास किया था। आप पंजाब में मेरिट में दूसरे स्थान पर थे। उन दिनों पंजाब में भारत के पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली के कुछ भागों सहित पूरा पश्चिमी पाकिस्तान भी सम्मिलित था। इससे हम अनुमान लगा सकते हैं कि महात्मा हंसराज कितनी उत्कृष्ट प्रतिभा के धनी थे। यदि वह अंग्रेजों की नौकरी करना चाहते तो बड़े से बड़ा पद उनको मिल सकता था। आर्थिक प्रलोभनों में न फंसना और उन पर पूर्णतः विजय पाना अति दुष्कर कार्य है जिसे विरले ही कर पाते हैं। इसी कारण हंसराज जी के नाम के साथ 'महात्मा' शब्द जुड़ा है जो एक वास्तविक महात्मा के सच्चे आदर्श रूप को प्रस्तुत करता है।

महात्मा हंसराज जी ने 27 फरवरी, 1886 को आर्यसमाज लाहौर में महर्षि दयानन्द जी की स्मृति में स्थापित होने वाले डी.ए.वी. स्कूल व कालेज के प्राचार्य का दायित्व संभालने एवं अपना जीवन–दान देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि वह डी.ए.वी. शिक्षा आन्दालेन के लिये अपना जीवनदान कर रहे हैं और अवैतनिक सेवा देंगे। उनकी इस घोषणा से डी.ए.वी, स्कूल की स्थापना में अत्यन्त लाभ हुआ। एक योग्य शिक्षक एवं प्रबन्धक का निःशुल्क व अवैतनिक मिलना बहुत बड़ी बात थी। इसका सकारात्मक प्रभाव अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के जीवन पर भी अवश्य पड़ा होगा, ऐसा हम अनुमान करते हैं। महात्मा जी का प्रस्ताव अधिकारियों द्वारा सहर्ष व कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया गया था। इसके अनुसार ही दिनांक 1 जून, सन् 1886 को आप डी.ए.वी. स्कूल के मुख्याध्यापक बने। स्कूल की स्थापना से पूर्व आर्यसमाज के लिये त्महमदमतंजवत वि जीम ।तलंअंतजं पत्र का सम्पादन करते थे। आप इसके प्रत्येक अंक में अपना लेख भी देते थे। विद्यार्थी जीवन काल से ही आपने आर्यसमाज के लिये समर्पित भाव से कार्य किया। सन् 1891 में आप आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान बने। इसके दो वर्ष बाद आप आर्य प्रादेशिक सभा के प्रधान बने। स्कूल व कालेज का काम करते हुए तथा अन्य सामाजिक दायित्वों को सम्भालते हुए देश में जब–जब कहीं भूकम्प, दुष्काल, बाढ़, दंगो, महामारी आदि समस्यायें व आपदायें आयीं तो आपने पीड़ित बन्धुओं की सेवा व सहायता के लिये वहां आर्यसमाज के अपने सहयोगियों द्वारा शिविर स्थापित करवाकर लोगों के दुःखों को दूर करने का प्रयास किया। सन् 2011 में डी.ए.वी. स्कूल व कालेज का कार्यभाल सम्भाले हुए आपको 25 वर्ष पूरे हो रहे थे, उस समय डी.ए.वी. कालेज की आर्थिक व्यवस्था भी सन्तोषजनक थी, ऐसे समय में कालेज कमेटी की ओर से पद पर बने रहने की प्रार्थना करने पर भी आपने प्राचार्य पद से त्यागपत्र दे दिया और उससे पृथक हो गये। इसके बाद डीएवी आन्दोलन से प्रेम, लम्बे अनुभव व योग्यता के कारण सन् 1913 में आपको डी.ए.वी. कालेज कमेटी का प्रधान चुना गया। सन् 1914 आपके लिये काफी कष्टदायक रहा। आपकी धर्मपत्नी माता ठाकुर देवी जी का देहान्त हो गया। आपने बड़े धैर्य और आस्तिक भाव से इस वियोग के दुःख को सहन किया। आप इसके बाद के 24 वर्षों के जीवन में भी सक्रिय सामाजिक जीवन व्यतीत करते रहे।

सन् 1918 में आप पंजाब शिक्षा सम्मेलन के अध्यक्ष बनाये गये। महात्मा हंसराज जी और महात्मा मुंशीराम जी दोनों इतिहास बनाने व इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने वाले महापुरुष हुए हैं। सन् 1923 में महात्मा मुंशीराम जी ने आगरा के पास मलकाना राजपूतों की शुद्धि का चक्र चलाया था। आर्यसमाज के विद्वान, नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इस शुद्धि आन्दोलन में सक्रिय थे। आपने महात्मा मुंशीराम जी के साथ इस शुद्धि आन्दोलन में कार्य करके अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अगले वर्ष सन् 1924 में आप अखिल भारतीय शुद्धि सभा के प्रधान बनाये गये। वर्तमान समय में इस सभा का एक मासिक पत्र 'शुद्धि समाचार' प्रकाशित होता है। विगत कुछ वर्षों से हमारे लेख इस पत्र में प्रकाशित होते रहते हैं। सन् 1927 में प्रथम आर्य–महासम्मेलन का आयोजन हुआ था। आप इस महासम्मेलन के अध्यक्ष बनाये गये थे। सन् 1933 में पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन का आपको प्रधान बनाया गया था। सन् 1937 में आप आर्य प्रादेशिक सभा के प्रधान थे। आपने स्वेच्छा से इस पद का भी त्याग कर दिया था।

महात्मा जी के जीवन में दो अवसर ऐसे आये जब वह फूट–फूट कर रोये। पहली घटना मलाबार के मोपला विद्रोह से सम्बन्ध रखती है। महात्माजी के पास तस तार आया जिसमें सूचना दी गई थी कि मालाबार में खिलाफत–आन्दोलन के जनूनी मुसलमान कार्यकर्ताओं ने अंग्रेजों के विरुद्ध आन्दोलन की दिशा बदल दी और उन्होंने हिन्दुओं पर जघन्य अत्याचार किये। मलाबार में मोपला मुसलमानों ने निर्दोष हिन्दू स्त्री, पुरुषों व बच्चों का नरसंहार किया है। इस घटना का वृतान्त जानकर वह इतना रोए कि उनकी आंखे सूज गईं थी। उन्होंने तब खुशहाल चन्द जी, परवर्ती नाम महात्मा आनन्द स्वामी जी, सहित कुछ अन्य लोगों को मलाबार के पीड़ित लोगों की सहायतार्थ जाने एवं उनके दुःखों के घावों को भरने सहित धर्मान्तरित लोगों की शुद्धि आदि कार्यों के लिये प्रेरित किया था जिसे मिलकर किया गया। गांधी जी ने इस जघन्य घटना पर मौन साधा था तथा विरोध का एक शब्द भी नहीं कहा था। वर्तमान समय में इस स्थान पर आर्यसमाज के लोगों द्वारा एक गुरुकुल भी संचालित किया जा रहा है। मलाबार की इस घटना पर वीर सावरकर जी मोपला विद्रोह के नाम से एक उपन्यास लिखा है। जिसका हिन्दी अनुवाद भी उपलब्ध है। इस घटना को विस्तार से जानने के लिये इस उपन्यास को अवश्य पढ़ना चाहिये। महात्मा जी दूसरी बार तब रोये थे जब वीर स्वामी श्रद्धानन्द जी का बलिदान हुआ था। दूसरे दिन 24 दिसम्बर को स्वामी अमर स्वामी जी महात्मा जी के पास गये थे। स्वामी श्रद्धानन्द जी पर चर्चा होने के दौरान महात्मा हंसराज जी फूट–फूट कर रोये थे। यह घटना महात्मा हंसराज जी के स्वामी श्रद्धानन्द जी के प्रति आदर भाव को सूचित करती है। महात्मा हंसराज जी का जीवन अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं से भरा हुआ है। उनसे जुड़ी हुई अनेक प्रेरक घटनाओं है। स्नानाभाव के कारण उन्हें यहां प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। हम प्रयत्न करेंगे कि समय समय पर हम उनके प्रेरणादायक प्रसंग प्रस्तुत करते रहे।

महात्मा हंसराज जी की दिनचर्या को जानना भी हमारे लिये उपयोगी है। वह प्रातःकाल जल्दी उठा करते थे। सूर्योदय से पूर्व ही वह शौच, स्नान, सन्ध्या तथा यज्ञ आदि कर लिया करते थे। वायु सेवन के लिये महात्मा जी प्रातः बाहर भ्रमण के लिये जाया करते थे। यदा–कदा डम्बल का व्यायाम भी किया करते थे। इसके बाद महात्मा जी स्वाध्याय किया करते थे। ऋषि के ग्रन्थों सहित वेदों का स्वाध्याय करना उनके जीवन का अंग था। वह ठीक समय पर अपने डीएवी कालेज जाया करते थे। वह ऐसे प्राचार्य थे जो अपने विद्यार्थियों को पढ़ाया भी करते थे। वह धर्म शिक्षा भी पढ़ाते थे और हिन्दी न जानने वालों को हिन्दी की वर्णमाला भी सिखाया करते थे। कालेज से घर आकर कुछ समय विश्राम किया करते थे। इसके बाद महात्मा जी कालेज व आर्यसमाज के लोगों से भेंट भी किया करते थे। सांयकाल की सन्ध्या वह छात्रावास में विद्यार्थियों के साथ बैठकर किया करते थे। कालेज से स्वैच्छिक सेवा निवृति लेने के बाद भी वह सायं की सन्ध्या विद्यार्थियों के साथ ही किया करते थे। सायं खाली समय में वह निकटवर्ती आर्यसमाज के उत्सवों में जाया करते थे। रात्रि भोजन के बाद जो विद्यार्थी, मित्र व श्रद्धालु उनसे मिलने आते थे, उनसे बातें भी किया करते थे। कालेज के अवकाश के दिनों में वह दूर व पास के आर्यसमाज के उत्सवों में जाया करते थे।

सन् 1938 में उनकी आयु का 74 वां वर्ष पूरा होकर 75 वां वर्ष आरम्भ हुआ था। आपने जीवन भर जो कठोर तपस्या व साधना की थी उसके कारण शरीर कमजोर व वृद्ध हो गया था। वह मृत्यु से कुछ समय पूर्व हरिद्वार के मोहन राकेश आश्रम में आये थे जहां उन्हें उदर–शूल का रोग हो गया था। यहां से वह लाहौर लौट आये। कुछ समय हिमाचल प्रदेश सोलन में अपने एक भक्त लाला यशवन्तराय एम.ए. के पास भी रहे। लाभ न होने पर पुनः लाहौर आ गये। योग्य डाक्टरों ने महात्मा जी की चिकित्सा की परन्तु लाभ नहीं हो रहा था। परिवारजनों व भक्तों ने भी उनकी बहुत देखभाल व सेवा की। महात्मा आनन्द स्वामी जी ने उन्हें कहा था कि अभी आपकी बहुत आवश्यकता है। महात्मा जी ने उत्तर दिया 'होगी! परन्तु जब समय आ जाता है तो फिर आवश्यकता नहीं देखी जाती। प्रभु की इच्छा पूर्ण होती है।' रोग के चलते 15 नवम्बर, सन् 1938 को महात्मा जी का लाहौर में देहावसान हो गया। ''ओ३म" का उच्चारण करते हुए और वेदों के पवित्र मंत्रों का पाठ सुनते हुए वह संसार से चले गये। उनका अन्तिम सन्देश था कि "ऊंचे व्यक्तियों के बलिदान से ही यह कार्य (आर्यसमाज सफल) हो सकता है।" महात्मा जी के जाने से आर्यसमाज का एक देदीप्यान नक्षत्र अस्तांचल में छिप गया। जब तक यह सूर्य, चन्द्र व पृथिवी है, महात्मा हंसराज जी का यश व कीर्ति अमर रहेगी। हम महात्मा हंसराज जी को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि प्रस्तुत करते हैं।

—196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, मो. 09412985121

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती नवरत्न वोहरा (धर्मपत्नि श्री प्रेम वोहरा, सम्पादक मित्र संगम) का निधन।
2. कु. श्रेया (पौत्री श्री सोहनलाल मुखी, प्रशान्त विहार) का निधन।
3. श्री बृजभूषण तायल (पूर्व प्रधान, आर्य समाज, शालीमार बाग) का निधन।
4. श्री गगन सरदाना (दामाद श्री सुधीर गुलाटी, राजेन्द्र नगर) का निधन।
5. श्रीमती ईश्वरदेवी (आर्य समाज, सै.14, सोनीपत) का निधन।
6. श्रीमती खजानी देवी (चाची महेन्द्र भाई) का निधन।
7. श्री रणधीरसिंह चौहान (आर्य समाज, करनाल) का निधन।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में **राष्ट्रीय शिविर**
शिक्षाविद् डा.अमिता चौहान व डा.अशोक कु. चौहान के सान्निध्य में

विशाल आर्य युवक व्यक्तित्व विकास व चरित्र निर्माण शिविर

स्थानः ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कुल, सैक्टर–44,नोएडा, उ. प्र.
उद्घाटन समारोहः शनिवार, 8 जून 2019, सायं 5 बजे से 7.00 बजे तक
भव्य समापन व दीक्षान्त समारोहः
रविवार, 16 जून 2019, प्रातः 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक
आर्य युवकों द्वारा भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम होंगे

कैथल युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला कैथल के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर '' दिनांक 5 जून से 12 जून 2019 तक आर्य विद्या पीठ, पबनावा, जिला कैथल, हरियाणा में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क– आचार्य राजेश्वर मुनि, 9896960064, कमल आर्य, 9068058200.

फरीदाबाद युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला फरीदाबाद के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर '' दिनांक 2 जून से 9 जून 2019 तक, सैनिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल, भारत कालोनी, फरीदाबाद में आयोजित किया जा रहा है। सम्पर्क करें– जितेन्द्रसिंह आर्य, 9210038065
वीरेन्द्र योगाचार्य, 9350615369

पलवल युवक चरित्र निर्माण शिविर

आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 3 जून से 9 जून 2019 तक आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल, हरियाणा में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क करें–स्वामी श्रद्धानन्द जी, 9416267482

आगरा आर्य कन्या शिविर

आगरा में आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 3 जून से 9 जून 2019 तक कृष्णा इन्टर कालेज, महुआ खेड़ा, आगरा में लगेगा।

सम्पर्क करें–रमाकांत सारस्वत, 9719003853.

राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली का राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर दिनांक 3 मई से 5 मई 2019 तक गुरूकुल खेड़ाखुर्द, दिल्ली–110082 में लगेगा। सम्पर्क करें–सौरभ गुप्ता, संयोजक, 9971467978

मध्य दिल्ली युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य दिल्ली मण्डल के तत्वावधान में दिनांक 13 मई से 19 मई 2019 तक हीरालाल जैन सीनियर सैकण्डरी स्कुल,सदर बाजार,दिल्ली–110006 में लगेगा।

सम्पर्क करें–संयोजकः गोपाल जैन, 9810756571

इन्दौर प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर '' दिनांक 20 मई से 26 मई 2019 तक कलोता विद्यापीठ, जलोदा, पंथ, देवालपुर, इन्दौर में लगेगा।

सम्पर्क करें– आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार, 9977967777

जम्मू कश्मीर युवा निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में सोमवार, 17 जून से सोमवार, 25 जून 2019 तक विशाल प्रान्तीय युवा शिविर आर्य समाज,जानीपुर कालोनी,जम्मू में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क करें–सुभाष बब्बर, 9419301915. रमेश खजुरिया, 9419137720

दिल्ली में आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में ''विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर ''रविवार, 19 मई से 26 मई 2019 तक गीता भारती स्कूल, अशोक विहार, फेज–2, दिल्ली में लगेगा।

इच्छुक बालिकायें शीघ्र सम्पर्क करें फोनः 9711161843 राजरानी अग्रवाल, शिविर अध्यक्षा–उर्मिला आर्या, प्रदेश अध्यक्षा – अर्चना पुष्करना, प्रान्तीय महामन्त्री – प्रगति आर्या, शिक्षिका

उड़ीसा में युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ओड़िसा के तत्वावधान में ''प्रान्तीय युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 10 मई से 16 मई 2019 तक गुरूकुल संस्कृत महाविद्यालय, वेद व्यास, राउरकेला, ओड़िशा में लगेगा।

सम्पर्कः–पं. धनेश्वर बेहरा, प्रान्तीय अध्यक्ष, 09438441227

जयपुर में आर्य कन्या शिविर

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार, 10 मई से वीरवार, 16 मई 2019 तक विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर श्री विनायक ऐजुकेशन कैम्पस,नायला, कानोता के पास,जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। सम्पर्क करें–डा. प्रमोद पाल, संयोजक, 9828014018.

राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार, 14 जून से वीरवार, 20 जून 2019 तक विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर संस्कार भवन,जी.एल.सैनी कालेज आफ नर्सिग,7–8,राधा निकुंज सी,केसर नगर चौराहे से रामपुरा रोड, जयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क करें–यशपाल यश, प्रान्तीय अध्यक्ष, 9414360248.

हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में बुधवार, 19 जून से सोमवार, 25 जून 2019 तक विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर आर्य समाज, सैक्टर–6, करनाल में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क करें– स्वतन्त्र कुकरेजा, 9813041360,
अजय आर्य, 9416128075, रोशन आर्य, 9812020862

उत्तराखण्ड में प्रान्तीय आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तराखण्ड के तत्वावधान में शनिवार, 18 मई से शनिवार, 25 मई 2019 तक विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सैनिक हाई स्कुल, बागेश्वर, उत्तराखण्ड में आयोजित किया जा रहा है। सम्पर्क करें–गोबिन्दसिंह भण्डारी व सुश्री लक्ष्मी टाकुली, संयोजक, 9412930200

यमुना नगर, हरियाणा में प्रेरणा सम्मेलन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् यमुना नगर,हरियाणा के तत्वावधान में दिनांक 28 जून से 30 जून 2019 तक स्वामी सच्चिदानन्द जी के सान्निध्य में प्रेरणा सम्मेलन,सत्यार्थ भवन,रादौर,जिला यमुना नगर में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्कः–सौरभ आर्य, संयोजक, 9813739000.

गुरूकुल कण्वाश्रम कोटद्वार शिविर

योगीराज ब्र.विश्वपाल जयन्त के सान्निध्य में योग साधना व आयुर्वेद शिविर दिनांक 4 जून से 9 जून 2019 तक गुरूकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल, उतराखण्ड में लगेगा।

सम्पर्क करें–संजय रावत, संयोजक, 9084724491

अग्निहोत्री धर्मार्थ ट्रस्ट के सौजन्य से

16वां स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस

रविवार, 19 मई 2019 को प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक
स्थानः–वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, नालापानी, देहरादून
शुक्रवार 17 मई को स्पेशल बस यात्रा के लिए
सम्पर्क करें: अनिल आर्य, मो. 9868051444

आर्य समाज, सैक्टर-9, आर. के. पुरम, नई दिल्ली का 75वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

रविवार, 21 अप्रैल 2019,आर्य समाज, सैक्टर–9, आर. के. पुरम, नई दिल्ली का हीरक जयन्ती समारोह सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में– पूर्व विधायक अनिल शर्मा का स्वागत करते मंत्री सूर्यपालसिंह आर्य, ओमप्रकाश यजुर्वेदी, रविदेव गुप्ता व अनिल आर्य। द्वितीय चित्र– आर्यनेता श्री हरबंशलाल कोहली आयु 94 वर्ष के अभिनन्दन का सुन्दर द्रश्य।

आर्य समाज, पश्चिम विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 28 अप्रैल 2019, आर्य समाज, पश्चिम विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। डा. महावीर मीमांसक, डा. महेश विद्यालंकार, डा. वेदपाल जी (मेरठ), आचार्या धर्मरक्षिता के ओजस्वी प्रवचन हुए। चित्र में– समाज के नवनिर्वाचित प्रधान श्री देवेन्द्र अरोड़ा को सम्मानित करते अनिल आर्य, राजेन्द्र लाम्बा, नरेश गुलाटी, चन्द्रमोहन खन्ना व योगेश कुमार। द्वितीय चित्र–प्रि.शालिनी अरोड़ा का अभिनन्दन करते डा.महेश विद्यालंकार।

आर्य समाज, सैक्टर-33, नोएडा व अशोक विहार, फेज-1,दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 21 अप्रैल 2019, आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा में परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य ने विभिन्न शिविरों के निमन्त्रण दिये, इस अवसर पर प्रधान श्रीमती गायत्री मीना का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, आदर्श विश्नोई, प्रवीन आर्या, सौरभ आर्य, लक्ष्मी सिन्हा,राज सरदाना आदि। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, अशोक विहार–1, दिल्ली ने रामनवमी पर्व पर 25 कुण्डीय यज्ञ किया। उपमहापौर श्री योगेश वर्मा का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रधान पी. के. सचदेवा, मंत्री जीवनलाल आर्य व आनन्दप्रकाश आर्य आदि।

सुधीर कपूर की 25वीं वर्षगांठ व लाजपत नगर का उत्सव सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के उपाध्यक्ष, 1982 बैच के शिविरार्थी श्री सुधीर कपूर व सुरेखा की 25 वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर भव्य समारोह का आयोजन हनुमान मन्दिर, फरीदाबाद में किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,प्रवीन आर्या व माधवसिंह दम्पति को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए,युवा उद्घोष परिवार की ओर से हार्दिक बधाई। द्वितीय चित्र–रविवार, 14 अप्रैल 2019, आर्य समाज, लाजपत नगर, नई दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर अनिल आर्य को सम्मानित करते प्रधान श्री राजेश मेहन्दीरता,मंत्री सुरेन्द्र शास्त्री,सतीश सत्यम, भारतभूषण कपुर, जितेन्द्र डावर, संतोष मल्होत्रा व माता शकुन्तला नागिया आदि।

आर्य समाज, जंगपुरा विस्तार, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव व आर्य नेता रवि चड्ढा से भेंट

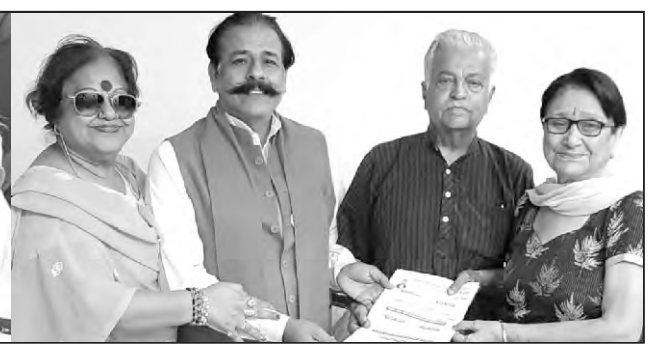

रविवार, 28 अप्रैल 2019, आर्य समाज, जंगपुरा विस्तार, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। श्री नरेश सोंलकी व प्रवीन आर्या के मधुर भजन हुए। चित्र में–प्रधान श्री विजय मलिक का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, अविनाशचन्द धीर, सुरेन्द्र शास्त्री, मंत्री कौशल्या मेहता। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, पूर्वी पंजाबी बाग, दिल्ली के मंत्री श्री रवि चड्डा से भेट की व शिविरों के निमन्त्रण दिए।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970